भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1543
28 जुलाई, 2026 को उत्तर के लिए

आंध्र प्रदेश में ब्लू इकोनॉमी परियोजनाएं

1543. डॉ. गुम्मा तनुजा रानी:

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना और नीली अर्थव्यवस्था पहल के अंतर्गत सरकार द्वारा आन्ध्र प्रदेश को स्वीकृत और जारी की गई निधियों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान आन्ध्र प्रदेश में पूरी की गई मात्स्यिकी अवसंरचना और नीली अर्थव्यवस्था परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने आन्ध्र प्रदेश से समुद्री खाद्य पदार्थों के निर्यात पर पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव का आकलन किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क): मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार 2020-21 से आंध्र प्रदेश राज्य सहित सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 'प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY): भारत में मात्स्यिकी क्षेत्र के सतत और जिम्मेदार विकास के माध्यम से नीली क्रांति लाने की एक योजना' को कार्यान्वित कर रहा है। PMMSY के तहत, राज्य में मात्स्यिकी और मात्स्यिकी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए मत्स्यपालन विभाग भारत सरकार ने 681.38 करोड़ की केंद्रीय शेयर के साथ 2328.89 करोड़ की कुल लागत पर आंध्र प्रदेश सरकार के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। राज्य के उपयोग के आधार पर राज्य को 445.05 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। वर्ष-वार स्वीकृत और जारी की गई धनराशि का विवरण अनुबंध। में दी गई है।

(ख): आंध्र प्रदेश राज्य में मात्स्यिकी के विकास के लिए पीएमएमएसवाई के तहत स्वीकृत प्रमुख फिशरीज़ इंफ्रास्ट्रक्चर गतिविधियों में शामिल हैं (i) 5 फिश फीड प्लांट की स्थापना (ii) 16 कोल्ड स्टोरेज और आइस प्लांट (iii) 6 आधुनिक फिश लैंडिंग सेंटर (iv) 3 आधुनिक फिशिंग हार्बर्स (v) विशाखापत्तनम में फिशिंग हार्बर का आधुनिकीकरण (vi) 1 इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क। इसके अलावा, 15 क्लाइमेट रेजिलिएंट कोस्टल फिशरमेन विलेज (CRCFV) और एक फिश ब्रूड बैंक को भी मंज़ूरी दी गई है।

(ग) और (घ): सरकार हितधारकों और निर्यात प्रोत्साहन एजेंसियों के साथ नियमित जुड़ाव के माध्यम से, भू-राजनीतिक स्थितियों सहित वैश्विक व्यापार वातावरण में विकास की बारीकी से निगरानी कर रही है। हालाँकि आंध्र प्रदेश से समुद्री खाद्य निर्यात पर पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव पर कोई अलग राज्य-विशिष्ट मूल्यांकन नहीं किया गया है, मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने उभरती व्यापार चुनौतियों का समाधान करने के लिए कई पहल की हैं। इन पहलों में अप्रैल 2026 में नई दिल्ली में सीफूड एक्सपोर्टर्स मीट और जून 2026 में विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में 'सीफूड एक्सपोर्ट्स पर नेशनल वर्कशॉप' शामिल है, जिसमें बाजार विविधीकरण, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए), गैर-टैरिफ बाधाओं, ट्रेसेबिलिटी, लॉजिस्टिक्स और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता से संबंधित मुद्दों पर हितधारकों के साथ विचार-विमर्श किया गया था। मौजूदा ग्लोबल जियोपॉलिटिकल और व्यापार चुनौतियों के बावजूद, भारत सरकार द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान भारत के समुद्री खाद्य निर्यात में 19.72 लाख मीट्रिक टन का सर्वकालिक उच्च स्तर दर्ज किया गया, जिसका मूल्य ₹73,890.46 करोड़ (US$8.46 बिलियन) था।

*****

अनुबंध।

आंध्र प्रदेश में ब्लू इकोनॉमी परियोजनाएं के संबंध में 28 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए डॉ. गुम्मा तनुजा रानी द्वारा पूछे गए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1543 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(रुपए लाख में)

क्रम संख्या	**वर्ष**	**कुल परियोजना लागत**	**केंद्रीय शेयर**	**जारी निधि**
1	2020-21	27560.00	7957.00	7957.00
2	2021-22	41400.97	15806.02	14452.00
3	2022-23	148828.20	38,514.40	19258.00
4	2023-24	7145.00	2748.00	687.00
5	2024-25	6815.00	2457.00	641.00
6	2025-26	1139.99	655.65	1509.85
	कुल	**232889.16**	**68138.07**	**44504.85**

****